27) 6/17 आज यह पत्रावली नियमित कोर्ट कार्यालय में पेश हुई वादी श्रीमान उप. / प्रतिवादीगण की ओर से कोई उपस्थित नहीं। वाद में पेश शुदा रिकार्ड का अवलोकन किया / प्रा०वा० के जवाब में मुख्यतः एक बात कही गई है कि मृतक लालाराम की विरासत वादी गण के नाम दर्ज नहीं की गई। परन्तु प्रतिवादीगण ने यह भी नहीं बताया कि वादी गण वारिस नहीं है या वारिस अन्य भी है दावा इन्तकाल दर्ज का है जो विवादित भूमि के सम्बन्ध में है वादी दर्ज का है जो विवादित भूमि के सम्बन्ध में है वादी इन-इन्तकाल के सम्बन्ध में है। वादी द्वारा प्रतिवादीगण का अतिक्रमण का कोई सम्बन्ध में कोई इस्तगासा पेश नहीं है, जिस्ट्री नामा की दृष्टि से केवल कोई लगाव की स्थिति पैदा नहीं होती इसलिए वादी का वाद विधिवत मनाया डिक्री किया जाता है विस्तृत निर्णय अलग से लिखा जाकर आदेश पत्रा. किया गया। पत्रावली वाद संख्या दाखिल दफ्तर की जावे। निर्णय फैसल रूप में सुनाया गया।

Ay